दीपावली विशेषांक
पाक्षिक
टेक्सटाइल वर्ल्ड
Postal Registration No : BHILWARA/208/2018-2020 Posting on 24-10-2018 at Rail Mail Service, Bhilwara
वर्ष-21 | अंक-09 | भीलवाड़ा/ 22 अक्टूबर, 2018 | कुल पृष्ठ- 46 | मूल्य : 15 रुपए

देश से कॉटन यार्न निर्यात बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

इस वर्ष देश से कॉटन यार्न के निर्यात में वृद्धि की संभावना और स्पिनिंग उद्योग की स्थिति में सुधार हो सकता है। उल्लेखनीय है कि विभिन्न कारणों से 2017-18 के दौरान देश के कॉटन स्पिनिंग उद्योग का मार्जिन घट कर कई वर्ष के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि देश से कॉटन यार्न के निर्यात में अधिक वृद्धि नहीं होगी लेकिन चालू वित्त वर्ष के दौरान विश्व में इसकी मांग में बढ़ोतरी होगी। यह कहना है क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा की एक रिपोर्ट का। रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों के दौरान गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में कॉटन यार्न के निर्यात में 56 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि दर्ज की गई क्योंकि चीन को निर्यात बढ़ कर लगभग डबल हो गया। निर्यात में इस वृद्धि का कारण विश्व बाजार में भारतीय कॉटन यार्न रेट प्रतिस्पर्धक होना है। उल्लेखनीय है कि 2017-18 की इसी अवधि के दौरान देश से कॉटन यार्न के निर्यात में भारी गिरावट दर्ज की गई थी। बहरहाल, रिपोर्ट में कहा गया है कि वियतनाम से प्रतिस्पर्धा और चीन की सरकार द्वारा घरेलू बाजार में कॉटन की उपलब्धता बढ़ाए जाने से आगामी महीनों में कॉटन यार्न के निर्यात में वृद्धि की दर कुछ धीमी पड़ सकती है। जानकारों का कहना है कि देश में कॉटन के भाव में विश्व बाजार की तुलना में नीचे रहने और रुपए की कीमत में गिरावट के कारण ही देश से कॉटन यार्न के निर्यात में वृद्धि संभव हो सकी है। उल्लेखनीय है कि विश्व बाजार में अक्टूबर-मई तक कॉटन के भाव में लगभग 20 प्रतिशत की तेजी आई थी।

अगस्त में टेक्सटाइल और रेडीमेड सेक्टर में सुधार का रुख

आयात-निर्यात मोर्चे पर चिंता बरकरार

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

हालांकि अगस्त में देश में टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट सेक्टर की स्थिति में सुधार का रुख देखने को मिला है लेकिन विदेश व्यापार मोर्चे पर स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि सितम्बर रेडीमेड गारमेंट के निर्यात में भारी कमी आई है लेकिन आयात में बढ़ोतरी हुई है और शुल्क में वृद्धि बेअसर रही।

कॉन्फेडरेशन ऑफ टेक्सटाइल इण्डस्ट्री (सीआईटीआई) के चेयरमैन श्री संजय जैन का कहना है कि सरकार द्वारा जारी अगस्त के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक यानि आईआईपी के अनुसार टेक्सटाइल का इंडेक्स 7.8 प्रतिशत बढ़कर 125.1 हो गया है। गत वर्ष अगस्त में सूचकांक 116 ही था।

हालांकि अप्रैल-अगस्त के दौरान सूचकांक में केवल 2.9 प्रतिशत की ही वृद्धि हुई है और 116.3 से बढ़कर 119.7 हो गया। श्री जैन के अनुसार वीयरिंग अपेरल का मासिक सूचकांक अगस्त में 144.3 रहा जो गत वर्ष अगस्त के सूचकांक 121.4 की तुलना में 18.9 प्रतिशत अधिक है। हालांकि अप्रैल-अगस्त के समग्र सूचकांक में वृद्धि कुछ कम रही।

उनका कहना है कि इस सेक्टर का अप्रैल-अगस्त का समग्र सूचकांक 1.1 प्रतिशत बढ़कर 144.4 हो गया। गत वर्ष इसी अवधि में यह 142.6 ही था। श्री जैन का कहना है कि इस अगस्त के दौरान आईआईपी में गत वर्ष की तुलना में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसे देखते हुए टेक्सटाइल सेक्टर की वृद्धि दर काफी अधिक और उत्साहजनक है। श्री जैन का कहना है कि वास्तव में टेक्सटाइल उद्योग में अगस्त में जो सुधार हुआ है वह इस बात का संकेत है कि अब देश में इस सेक्टर में सुधार का दौर आरंभ हो चुका है। उल्लेखनीय है कि दो आर्थिक सुधारों के कारण लगातार दो वर्ष तक इस उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था।

वर्ष 2016 में नोट बंदी और 2017 में जीएसटी के लागू होने से टेक्सटाइल उद्योग पर प्रतिकूल असर पड़ा था और विकास दर में ठहराव सा आ गया था। श्री जैन ने कहा कि अब उद्योग को आशा है कि इस उद्योग में नया निवेश आएगा और प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया मिशन को पूरा करने में सहायक होगा। शेष पेज 6 पर